India's Exclusive Daily Newspaper For Children

The Children's Post Of India®

Tuesday, 20th April 2021 Volume 5 Issue 110 www.mytcp.in

About the Amazon

By Aditi Mukund

The Amazon rainforest is one of the great wonders that fascinate all of us. The trees, the vines, the rivers, the birds, the animals - they leave us in awe. Some examples of birds that are unique to the Amazon are:

1. Many banded aracari
2. Rufous-winged ground cuckoo
3. Guianan gnatcatcher
4. Green-tailed jacamar
5. Maroon-tailed parakeet
6. White-naped seedeater
7. Glossy antshrike
8. Guyana red cotinga
9. Needle billed hermit
10. Dark winged trumpeter

All images from Wikipedia

When is the best time to visit the Amazon forest?

For many reasons, May and June are among the best times to visit the rainforest.
Some of these reasons are:

1. The river's water level is suited for boat travel.
2. Rainfall is not very continuous, allowing some wildlife to come out.
3. During this time, there aren't too many visitors, so you might not run into other tourists.

Fun Facts about the Amazon

1. The Andes are the longest continuous mountain range in the world. The Amazon rainforest stretches from the Andes mountains in the west to the Atlantic Ocean in the east.
2. The rainforest occupies 2% of the world's surface area.
3. The Amazon jungle spans 9 countries – Brazil, Peru, Bolivia, Columbia, Ecuador, Guyana, French Guiana, Surinam, and Venezuela.
4. The tree cover is too thick for sunlight to reach the ground in most areas.
5. Though there are estimated numbers of plant, animal, insect, and reptile species, the fact is, that there are many undiscovered species, and we cannot put a number to them accurately.
6. There are many local tribes in the Amazon. Some of them have never made contact with the outside world.

© All Rights Reserved

२ मित्रों की कहानी

१ गुरुकुल में २ मित्र रहते थे। चूंकि उनकी वय बराबर थी, तो उनकी खूब छनती थी। वे सब काम साथ-साथ ही करते थे।

दोनों मित्रों को अध्ययन करने से ज़्यादा अच्छा लगता था, नदी के तट पर घूमना, तालाब में से सरकंडे निकाल कर लाना, पौधों में पानी देना, छोटे-छोटे कीड़े-मकौड़ों को घंटों देखते रहना।

उन में से एक को फूलों को देखना बहुत भाता था। कली कैसे अचानक ही निकल आती है, फिर धीरे-धीरे फूट पड़ती है, फिर छोटा सा फूल, जो देखते ही देखते पूरा खिल कर कितना बड़ा हो जाता है! और एक दिन, अचानक, यूं ही, फूल मुरझाना शुरू कर देता है। बालक को ये भाग सबसे अधिक उदास कर देता था। मानो इतनी सी डाल के सर पर इतना बड़ा ताज आ जाए, और फिर वह ताज छिन जाए!

दोनों मित्रों के कर्मों में जितनी समानता थी, उनकी प्रकृतियाँ उतनी ही भिन्न थीं। दोनों पौधों में पानी देते, पर राजू फूलों को निहारता, और सोनू उन्हें निर्देश देता, "ओफ्फो लाल गुलाब, उस पीले गुलाब को देखो, कितना बड़ा हो चला है!" या, "पालक! तुमसे कितनी बार कहा है कि जहां खाद डालते हैं वहाँ से पोषण लिया करो! मेथी और धनिया भी तुमसे ज़्यादा तेज उगने लगे हैं आजकल!"

राजू सोनू की बातें सुन कर मुस्काता।

यही नहीं, कीड़े-मकौड़ों के साथ भी दोनों का वार्तालाप अलग-अलग होता।

राजू कहता: "आओ यार! आज कितना बड़ा जाल बनाया तुमने? तुम तो मक्खी खाते हो, वह मैं कहाँ से लाऊं? चलो, तुम अपना काम करो, मैं देखूँगा।"

सोनू कहता, "अरे बाबा टिड्डे! कल ही तो समझाया था! इतने हरे-हरे हो, तो पत्तियां खा कर आया करो! ज़्यादा मोटे मत होना, वरना आलसी हो जाओगे और कोई पक्षी ले कर उड़ जाएगा! प्राण पखेरू उड़ जाएंगे तब न कहना बताया नहीं!"

कक्षा में भी दोनों का यही हाल था। राजू अपना काम समझता, गुरु जी से सवाल पूछता, और अपने गृहकार्य को समाप्त कर के जल्दी से खेलने चला जाता। सोनू गुरुजी के कक्षा समाप्त करने के बाद दोस्तों के साथ बैठ कर चर्चा करता, "गुरुजी ने यह पाठ कितने मुश्किल तरीके से पढ़ाया। यदि इस तरीके से पढ़ाते, तो हमें शायद जल्दी समझ आ जाता। पता नहीं ऐसे क्यूँ नहीं पढ़ाया!"

उसके मित्र भी इस से अछूते नहीं थे। कोई भी खेल या विषय हो, सोनू सदा दुनिया को बेहतर बनाने में लगा रहता था।

यही नहीं, गुरुकुल के प्रबंधन के लिए भी १००० सुझाव होते सोनू के पास और वह उन्हें देने में भी बिल्कुल संकोच नहीं करता था। एक दिन, सोनू ने आखिर राजू को भी घेर ही लिया।

Note: Would you like to translate this story into English? We would love to publish it with credit to you!

© All Rights Reserved

"क्यूँ भई राजू, तुम इतने बुद्धिमान हो, पर उस बुद्धि का उपयोग कभी नहीं करते। ऐसा क्यूँ? न तो अपने आस-पास वालों को सफाई का संदेश देते हो, न गुरुकुल में हो रही गलत चीजों पर सुधार का विचार प्रकट करते हो, और तो और, जो उपदेश मैं तुम्हें देता हूँ, सब तक पहुंचाने को, वह भी किसी १ मित्र को भी नहीं बताते। ऐसा क्यूँ?"

राजू धीरे से मुस्काया और बोला, "जब मैं छोटा था, बात-बात पर अपनी माँ को टोका करता था। कभी माँ को सुझाव देता कि झाड़ू कहाँ रखना अच्छा रहेगा, कभी बताता कि चौके में चिमटा चूल्हे से इतना दूर होता है, अगर पास ही रख दिया जाए तो माँ को कितनी आसानी होगी। माँ मुझे बहुत लाड़ करती थी। मेरी बातें सुन कर मुस्कुराती।

५ साल तक बाबा ने मेरा ये शोध और सलाह चुपचाप सुनी। छठे साल में एक दिन वे मेरे पास आए। मैं अपनी तख्ती साफ कर रहा था। उन्होंने कहा, "अरे ! अगर तख्ती को उलटे हाथ से साफ करना सीख लो, तो सीधे हाथ से कलम साफ कर सकते हो, नाहक ही बाहर भागना नहीं पड़ेगा हाथ धोने को।"

फिर थोड़ी देर बाद फिर बोले, "तुम ३ बार गाची क्यूँ लगाते हो जी? तिगुना पानी, तिगुना समय। एक ही बार अच्छे से मल लो!"

बस, मैं तंग आ गया। मैंने बाबा से कहा, "बाबा! मैं ३ साल से तख्ती धो रहा हूँ, मुझे आता है। मुझे ऐसा ही करना भाता है। मुझे करने दीजिए।"

बाबा मुस्काए और बोले, "बेटा, तुम्हारी माँ भी १० बरस से चौका कर रही है। उसे भी कुछ तो आता ही होगा।"

मुझे सुन कर आघात सा लगा। मैंने कहा, "बाबा, मैं तो चौके की व्यवस्था सुधार रहा था। यदि सब मिल कर सुधार की ओर प्रयत्नरत होंगे, तभी तो दुनिया सुधरेगी, उन्नति करेगी!"

बाबा बोले, "बेटा, दुनिया औरों को उपदेश देने से नहीं, अपने आचरण को सुधारने से सुधरेगी। यदि हर व्यक्ति अपना आचरण सुधार लेगा, तो किसका आचरण बिगड़ सकता है बताओ? तुम्हारा आचरण ही तुम्हारा संदेश है। यदि लोग देखेंगे, कि तुम कभी पानी बर्बाद नहीं करते, कभी आधा पी कर बाकी नहीं फेंक देते, कभी अन्न नहीं गँवाते, तो तुम्हारे अपने मित्र भी, तुम्हारे सामने पानी या अन्न गँवाने में संकोच करेंगे। तुम्हारा संदेश, तुम्हारे शब्द में नहीं, तुम्हारे आचरण में होना चाहिए।"

मैं ६ साल का था जब बाबा ने मुझे ये बात समझाई। उस दिन से, मेरे जीवन में परिवर्तन आ गया। अब मैं किसी को बेहतर बनाने का उपदेश नहीं देता। और मैंने पाया, कि इस में बहुत आनंद है! क्षमा करना मित्र, मैं अपनी बुद्धि का ऐसा ही उपयोग कर सकता हूँ। न किसी को उपदेश दे सकता हूँ, न गुरुकुल को चलाने का बेहतर साधन सोच सकता हूँ, और न ही अपने साथियों में तुम्हारी सोची हुई सलाह वितरित कर सकता हूँ। मैं केवल अपने आप को बेहतर बना सकता हूँ। समाज स्वत: बेहतर बन जाएगा।"

© All Rights Reserved

Tuesday Crossword: Vocabulary

This is a good, old crossword, with English vocabulary. Enjoy!

Across

2. compliment, praise
6. hatred
7. very bad, hint: one step away from ghostly

Down

1. when our efforts don't bear fruit
3. to dig for things at an archaeological site
4. one who brings a lawsuit against another
5. that which is self evident

Solve the crossword and become our
Tuesday Champions

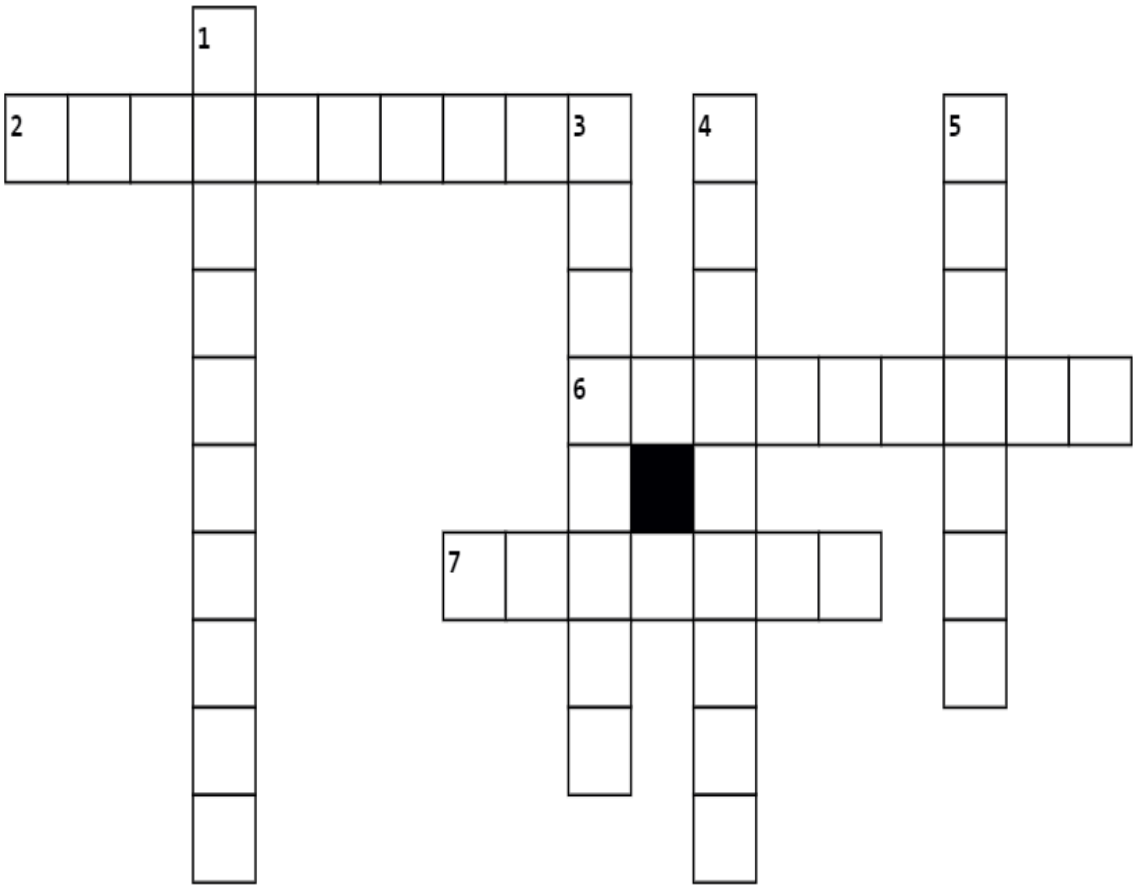

© All Rights Reserved

Quote Unquote

We are such little men

when the stars come out.

By Unknown

What do you think this quote means? Send us your answers to tcpedit@gmail.com

Art by Garima Tandon

Picture Captions (Contd.)

Leave me alone!
- Adit Nayak

I am so bored with this lock down. Can you teleport and play with me???
- Priyansh Jain

GIVE ME A FUNNY CAPTION

Last Week's Captions

Today it is blazing hot and I am feeling sleepy. I wish I had a comfy bed to sleep.
- Aashi Gupta

Why did you have to flash the camera? I was sleeping.
- Saiansh Tapuriah

I am feeling very hungry. Is there anything to eat?
- Raksha K Anchan

I am feeling lazy!
- Ananya Sharma

Nini aw rahi hai...
- Jaskeerat Khaira

© All Rights Reserved

Sports News: Wrestling News by Gurpreet Kaur

Asian Wrestling Championship was conducted in Almaty, Kazakhstan.

- Tokyo bound wrestler Ravi Kumar (57kg) claimed gold medal after beating Alireza Sarlak of Iran.

- Bajrang Punia (65kg) & Deepak Punia (86kg) claimed silver.

- Karan Mor (70kg), Narsingh Yadav (79kg), Sanjeet (92Kg) and Satyawart Kadian (97Kg) claimed bronze.

-Vinesh Phogat (53kg) and Anshu Malik (57kg) claimed top podium finishes each, while Sarita Mor (59kg) and Divya Kakran (72kg) completed India's collection of 5 gold medals.

Tuesday Champion
Arya Gavali, Priyansh Jain, Adit Nayak

Well tried,
Aashi Gupta

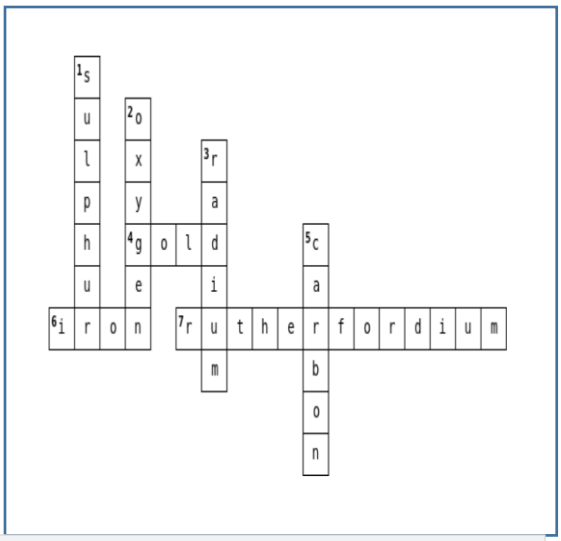

Last week's Crossword answers

Credits and Answers

This edition has been reviewed by Ritu Malhotra and Kruttika Dash. EJ reviewers: Tanvi Yadav and Gurmehar Kaur.

© All rights reserved. This publication, or any part thereof, may not be referenced or reproduced in any way.

For advertisements, institutional subscriptions and business partnerships, please contact Sarabjeet Singh at +918019205733.
We love contributions! Please share your art, poetry, and write-ups with us at tcpedit@gmail.com

Mother by Jaskeerat Khaira

My mother is best in her way,
But I don't say
To her,
That she's Super.

She's very strong,
And I know she's never wrong,
But I don't say
To her,
That she's Super.

I wrote my first book,
She gave a smile with a sweet look,
But I don't say
To her,
That she's Super.

I am a Public Speaker,
She's a Teacher.
She makes the future,
And has a strict nature.
But I don't say
To her,
That she's Super.

I don't express my love,
But she is like a clove.
Heals the pain but is a little bitter,
But I don't say
To her,
That She's Super.

Quote Unquote

Bad officials are elected by good citizens who do not vote.

The quote means: If you do not vote, corrupt politicians are likely to come to power.